इन्फ्लुएंज़ा बी वायरस से तीन बच्चों की मौत, 20 अस्पताल में भर्ती

प्रारंभिक जांच में ये मौतें खांसी, बुखार और फेफड़ों में संक्रमण के कारण हुई थी

- मृतक बच्चों के सैंपल की रिपोर्ट में इन्फलुएंजा बी वायरस की पुष्टि हुई है
- जिला अस्पताल में बुखार से पीड़ित 20 बच्चों का इलाज जारी, दो बच्चे बीकानेर भर्ती
- स्वास्थ्य निदेशालय जयपुर से भी हनुमानगढ़ जिले को लेकर निर्देश जारी किए

हनुमानगढ़, (निसं)। तीन बच्चों की रहस्यमय मौत ने क्षेत्र में दहशत फैला दी है। प्रारंभिक जांच में ये मौतें खांसी, बुखार और फेफड़ों में संक्रमण के कारण हुई थीं और मृतक बच्चों के सैंपल की रिपोर्ट में इन्फलुएंजा बी वायरस की पुष्टि हुई है। इसके बाद से इलाके में संक्रमण के प्रसार को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बरतते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है।

सैंपल की जांच में इन्फलुएंजा बी की पुष्टि होने के बाद आस पास के क्षेत्रों और मृतकों के परिजनों से 17 नए सैंपल एकत्र किए गए थे, जिनमें से 8 सैंपल्स में भी इन्फलुएंजा बी के वायरस की पुष्टि हुई। इस संक्रमण के फैलने के बाद आमजन में कोविड-19 के बाद एक बार फिर डर का माहौल बन गया है। तीन बच्चों की मौत के बाद अभी भी दो बच्चे गंभीर हालत में बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। जिला अस्पताल में बुखार से पीड़ित 20 बच्चों का इलाज जारी है। दो गंभीर हालत में बीकानेर भर्ती है। लगातार बढ़ती मरीजों की संख्या ने क्षेत्र के लोगों में डर का माहौल बना दिया है।

स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमण की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए लगातार स्क्रीनिंग और सैंपल कलेक्शन का कार्य जारी रखा है। विभाग द्वारा यह भी जानकारी दी गई है कि शिक्षा विभाग ने जिला मुख्यालय के करीब 10 सरकारी स्कूलों में बुखार, खांसी, जुकाम और गले में दर्द से पीड़ित करीब 60 बच्चों की पहचान की है। सभी बच्चों को घर पर रहकर आराम करने की सलाह दी गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने जिला मुख्यालय के सघन क्षेत्रों में घर-घर जाकर सर्वे कार्य शुरू कर दिया है। इस सर्वे में संक्रमित मरीजों के आंकड़े जुटाए जा रहे हैं और उन्हें परामर्श लेने के लिए स्वास्थ्य केंद्र जाने के लिए समझाया जा जा रहा है।

सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने आमजन से अपील की है कि वे अफवाहों से बचें, क्योंकि यह एक सामान्य मौसमी बीमारी है, बशर्ते मरीज लापरवाही न बरतें। उन्होंने कहा कि यदि किसी को बुखार, खांसी, जुकाम, गला दर्द, बदन दर्द या सांस लेने में तकलीफ हो, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे भीड़-भाड़ वाले स्थानों में जाने से बचें और अगर जाना पड़े तो मास्क का उपयोग अवश्य करें।

मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य निदेशालय जयपुर से भी हनुमानगढ़ जिले को लेकर निर्देश जारी किए गए हैं। इन निर्देशों में एक्टिव, पैसिव और लैब सर्विलांस के तहत घर-घर जाकर सर्वे करने, मरीजों का तुरंत सही इलाज देने, सैंपल कलेक्शन करने, दवा की उपलब्धता सुनिश्चित करने, मास्क और पीपीई किट उपलब्ध रखने और अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, आईसीयू और वेंटिलेटर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही मरीजों की संख्या और स्थिति के संबंध में रिपोर्ट मुख्यालय भेजने के आदेश भी दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से यह भी कहा गया है कि यदि लोग सही समय पर इलाज कराते हैं और सुरक्षा उपायों का पालन करते हैं, तो इस संक्रमण पर काबू पाया जा सकता है।

बीकानेर में धर्मांतरण के शक में दो युवकों से मारपीट की

मकान से आ रही प्रार्थना की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोगों ने मकान को घेरा, धार्मिक साहित्य मिले

- आरोप है कि ये लोग गरीब तबके के लोगों को बहलाकर धर्म परिवर्तन करवा रहे थे
- सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से 6-7 लोगों को डिटेन किया, सभा में तेलंगाना से आए लोग भी थे

बीकानेर, (निसं)। धर्मांतरण के शक में लोगों ने दो युवकों से जमकर मारपीट कर दी। मकान से आ रही प्रार्थना की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोगों ने मकान को घेर लिया। लोगों को बाहर निकाल कर धर्मांतरण करवा रहे युवक का सिर फोड़ दिया। आरोप था कि ये लोग गरीब तबके के लोगों को बहलाकर धर्म परिवर्तन करवा रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से 6-7 लोगों को डिटेन किया है। मौके से धार्मिक साहित्य भी जब्त किया गया है। सभा में तेलंगाना से आए लोग भी थे।

सीओ सिटी श्रवण के अनुसार, हिन्दू संगठनों को सूचना मिली थी की यहां धर्म परिवर्तन का काम चल रहा है। सूचना पर मौके पर पहुंचे तो यहां पर गरीब तबके के लोग यहां आए हुए थे। यहां से कुछ धार्मिक साहित्य भी मिला है। यहां पहुंचे लोगों से मालूम किया तो पता किया चला कि यहां प्रार्थना सभा चल रही थी। जानकारी मिली है कि बिना किसी अनुमति के यहां सभा की जा रही थी। यहां हिन्दू संगठन पहुंचे और सभा रुकवाई, जो भी रिपोर्ट मिलेगी उसके अनुसार कार्रवाई करेंगे।

विश्व हिन्दू परिषद के जिला अध्यक्ष अनिल शर्मा ने बताया कि किराए पर चल रहे इस घर में पिछले कुछ दिनों से गतिविधियां चल रही थी। जिसे आसपास के लोग संदिग्ध मान रहे थे। मोहल्ले वालों से हमने कहा था कि अगर ऐसी सूचना आए तो हमें सूचित करना। आज मोहल्ले वालों ने इस घर को घेर लिया और हमें सूचना दी। कमरे के अंदर धार्मिक साहित्य बिखरा हुआ था और प्रार्थना की आवाजें बाहर आ रही थी। अनिल शर्मा ने बताया कि यहां गरीब तबके के लोगों की बीमारियां ठीक करने का झूठा दावा किया जा रहा था। किसी को कैंसर की बीमारी थी तो कोई पैर से चल नहीं पा रहा था। यहां मौजूद लोग नोखा, नागौर और तेलंगाना से आए हुए थे। इन्हें सबको बहला फुसला कर यहां लाया गया था। यहां पुरुष, महिलाएं और बच्चे यहां मौजूद थे। इनमें से कुछ असाध्य रोगों से पीड़ित थे। यहां काफी समय से बाहरी लोगों का आना-जाना था। अनिल शर्मा ने आरोप लगाया कि 20-25 हजार रुपए का लालच देकर लोगों को बुलाया जाता है, फिर उनका धर्म परिवर्तन करवाया जाता है।

पुलिस ने मौके से आपत्तिजनक दस्तावेज और अन्य सामग्री जब्त कर ली है। मौके से धर्म विशेष का साहित्य भी मिला है। जिसे सीज कर लिया गया है। मौके पर मौजूद लोगों को मुक्ता प्रसाद थाने ले जाया गया जहां उनसे पूछता जारी है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है। वहीं मकान में मौजूद रामपुरा निवासी हरिपाल ने बताया कि हम यहां भगवान की प्रार्थना कर रहे थे। इतने में 6-7 लोग घर में घुस आए। वो हमें मारने के इरादे से आए थे। सरिये और एंगल से हमला कर दिया।

10 टन स्क्रैप खुर्द-बुर्द करने का फरार आरोपी पंजाब से गिरफ्तार

13 महीने से फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने 13 महीने पुराने धोखाधड़ीपूर्वक 10 टन स्क्रेप को खुर्द-बुर्द करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पंजाब से गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिये अभियान चलाया जा रहा है। शहर एसपी ने बताया कि गुमानपुरा इलाके में धोखे से 10 टन स्क्रेप के माल को खुर्द-बुर्द करने के मामले में फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उपअधीक्षक योगेश शर्मा के निर्देशन में गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने मामले में 13 महीने से फरारी काट रहे आरोपी बखोपी रोड़ भवानीगढ़ जिला संगरूर निवासी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी (37) को पंजाब से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पकड़े गये आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से आरोपी को पुलिस रिमांड पर लिया गया। पकड़े गये आरोपी से माल बरामदगी हेतु पूछताछ जारी है।

गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर ने बताया कि 25 जनवरी 2024 को फरियादी आशिक अली ने थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा कि वह रेलवे से स्क्रेप स्टील व आयरन खरीद कर अन्य इन्डस्ट्रीज को बेचता है। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा था कि 18.360 किलोग्राम स्क्रेप स्टील व आयरन दशमेश रोड कैरियर एण्ड ट्रांसपोर्ट कंपनी के ट्रक मे लोड करवाकर ट्रक चालक हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी से भिजवाया। ट्रक चालक ने 18.360 किलोग्राम माल मे से 8.960 किलोग्राम माल तो डिलीवर कर दिया, लेकिन बाकि बचा हुआ शेष माल 9.420 किलोग्राम स्केप को खुर्द-बुर्द कर फरार हो गया। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर अनुसंधान करते हुए आरोपी हरप्रित को पंजाब से गिरफ्तार कर लिया।

सड़क हादसे में एक की मौत

सरवाड़, (निसं.)। अजमेर-कोटा राजमार्ग पर लगातार हादसे बढ़ते जा रहे है। मगर इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वहीं रविवार को शोकलियां के पास सड़क हादसे में मारुति वैन ने मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों चपेट में लिया। हादसे में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं घायलों को एंबुलेंस की सहायता से नसीराबाद चिकित्सालय पहुंचाया गया जहां पर रास्ते में एक युवक की मौत हो गई। वहीं दो युवक गंभीर रूप से घायल है। सराना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल हुए युवकों को नसीराबाद चिकित्सालय पहुंचाया। जानकारी के अनुसार तीनों युवक हिगतडा निवासी है। राजू/प्रहलाद बैरवा निवासी हिगतडा ने दम तोड़ दिया व दो गंभीर रूप से घायल युवक हरिराम प्रजापत व रोडू बैरवा को अजमेर रैफर किया गया।

किसानों ने पानी की मांग को लेकर जाम किया

अनूपगढ़, (निसं)। सिंचाई के पानी की मांग को लेकर किसानों ने नेशनल हाइवे नंबर 911 पर गांव 13 एमडी में स्थित टोल नाके पर चक्का जाम कर रखा है। सरकार द्वारा सिंचाई पानी नहीं देने से किसानों में आक्रोश बढ़ गया है। रविवार सुबह गांव सतरना के पास आक्रोशित किसानों ने पुलिस की गाड़ी को भी रोक लिया और किसानों ने पुलिस प्रशासन को गाड़ी के शीशे तोड़ने की धमकी दी। वहीं किसानों ने नेशनल हाईवे पर से निकलने वाले रास्तों को भी बंद करना शुरू कर दिया है।

चक्का जाम के दूसरे दिन रविवार सुबह करीब 10:30 बजे गांव सतरना के पास से नेशनल हाइवे पर पुलिस की गाड़ी गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान किसानों ने पुलिस की गाड़ी को रोक लिया और किसानों ने पुलिस की गाड़ी को वापिस जाने के लिए कहा। गाड़ी को वापिस नहीं ले जाने पर किसानों ने गाड़ी के शीशे तोड़ने की धमकी दी। वहीं किसानों को आक्रोशित होता देख मौके पर मौजूद पुलिस के जवानों ने गाड़ी को वापिस मोड़ लिया।

किसान नेता सुनील गोदारा ने बताया कि किसान लगातार सिंचाई पानी की मांग कर रहे हैं मगर सरकार किसानों की जायज मांग को लेकर गंभीर नहीं है। उन्होंने बताया कि सिंचाई पानी की मांग को लेकर आज चक्का जाम के दूसरे दिन गांवों से नेशनल हाइवे पर आने वाले ग्रामीण रास्तों को भी किसानों के द्वारा बंद किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गांव सतराना सहित अन्य रास्तों को भी किसानों के द्वारा बंद करना शुरू कर दिया गया है।

प्रशासन ने किसान नेताओं से समझाइश की उनकी मांग को सरकार तक भिजवाया जा रहा है। मगर किसान नेताओं ने कहा कि जब तक उन्हें सिंचाई पानी नहीं मिल जाता उनका आंदोलन जारी रहेगा।

घर में घुसकर तोड़फोड़ और फायरिंग मामला : राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग पहुंचा पीड़ित

- पीड़ित ने स्थानीय पुलिस की निष्क्रियता और अपनी जान के खतरे का हवाला दिया
- एक फरवरी की मध्यरात्रि को हमलावरों ने पीड़ित के घर में घुसकर परिवार के साथ मारपीट की और फायरिंग की

श्रीगंगानगर, (निसं)। महियांवली निवासी इंद्राज खान ने एक फरवरी को उनके व उनके परिवार के ऊपर हुए जानलेवा हमले पर अभी तक अपराधियों के गिरफ्तारी नहीं होने के कारण राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में याचिका दाखिल की है। पीड़ित ने स्थानीय पुलिस की निष्क्रियता और अपनी जान के खतरे का हवाला देते हुए मामले की गंभीरता को लेकर आयोग से त्वरित कार्रवाई की अपील की है।

पीड़ित के अनुसार गत एक फरवरी की मध्यरात्रि को हमलावरों में शामिल रजत पुत्र चोटू खान, प्रिंस पुत्र सुनील मालिया, युवराज पुत्र सुनील मालिया, सबीर उर्फ मोनू पुत्र पृथ्वीराज, सीमा देवी पत्नी छोटू खान और अमन पुत्री सीमा देवी ने इंद्राज खान के घर में घुसकर उनके परिवार के साथ मारपीट की और और घर में खड़ी कार और मोटरसाइकिल के साथ तोड़फोड़ की। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि आरोपी रजत के हाथ में पिस्टल थी और उसने हवा में फायरिंग की। प्रिंस और युवराज लोहे की छड़ों से इंद्राज की कार और पास की मोटरसाइकिल को नुकसान पहुंचाते हुए तोड़फोड़ करते रहे। सबीर उर्फ मोनू ने भी इंद्राज की कार को क्षतिग्रस्त किया। हमलावरों ने इंद्राज के पिता पर लोहे की छड़ी से हमला कर गंभीर चोटें पहुँचाईं। हमलावरों के भय से इंद्राज और उनका परिवार पड़ोसी के घर में शरण लेने के लिए मजबूर हो गया।

परिवादी का कहना है कि हमलावरों ने जाते समय उसके व उसके परिवार और उनके रिश्तेदारों को खुलेआम जान से मारने की धमकी दी। घटना के अगले दिन, दो फरवरी को पीड़ित ने स्थानीय चुनावट थाना में मामला दर्ज कराया। जिसमें हमलावरों पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। परिवादी ने आयोग को बताया कि उस पर लगातार जान से मारने की धमकी मिल रही है और केस वापस लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। पीड़ित ने कहा कि घटना के 14 दिन बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है और न ही पुलिस ने कोई ठोस कदम उठाए हैं।

शिकायतकर्ता इंद्राज खान ने आरोप लगाया है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद भी स्थानीय पुलिस ने कोई महत्वपूर्ण कार्रवाई नहीं की है। हमलावरों की न तो गिरफ्तारी की गई है और न ही मामले की गंभीरता को लेकर कोई प्रभावी जांच की गई है। आरोपी पहले से ही आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे हैं, जिससे इंद्राज खान और उनके परिवार के लिए खतरा और बढ़ गया है। पीड़ित का कहना है कि उनका कार, जो कि उसकी आजीविका का एकमात्र जरिया था, उसे भी अपराधियों द्वारा तोड़ दिया गया है।

पीड़ित परिवार ने राजस्थान पुलिस महानिदेशक, उत्कल रंजन साहू और बीकानेर आईजी ओमप्रकाश को भी शिकायत की है और सुरक्षा मांगी है। पीड़ित का आरोप है कि सभी हमलावरों को स्थानीय राजनीतिक लोगों का संरक्षण प्राप्त हैं जिसके चलते पुलिस ने अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं की है और मामले में राजीनामा के लिए दबाव बनाया जा रहा है।

नीमकाथाना जिले की बहाली की मांग,धरना जारी

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना जिले को पुनः बहाल करने की मांग को लेकर रविवार को नगर परिषद नीमकाथाना के वार्ड नं. 05 में जन आंदोलन जारी रहा। धरने पर बैठे आंदोलनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर विधायक सुरेश मोदी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने धरने पर बैठे लोगों को माला पहनाकर उनका हौसला बढ़ाया।धरने में गिरधारी मीणा, झाबर वर्मा, प्रहलादराम मीणा, सुवालाल मीणा, रिछपाल, विकास कुमावत, रामजी मीणा, बद्री प्रसाद कुमावत, रामकरण मीणा, दुलीचन्द कुमावत, जगदीश प्रसाद कुमावत, सोहनलाल वर्मा, सत्यनारायण कुमावत, गणेश कुमावत, ओमप्रकाश जांगिड़, बाबुलाल जांगिड़, जगदीश कुल्हरी, अशोक सिंह शेखावत समेत अनेक स्थानीय लोग शामिल थे। उन्होंने नीमकाथाना जिले को फिर से बहाल करने की अपनी मांग को प्रमुखता से उठाया।

गिरधारी मीणा ने कहा कि वर्तमान सरकार ने नीमकाथाना जिले को जिस तरह से निरस्त किया है, वह जनविरोधी है और इससे आम जनता में आक्रोश है। विभिन्न राजनीतिक दलों और समाज के प्रमुख व्यक्तियों ने भी इस मामले में अपनी आवाज उठाई और नीमकाथाना जिले को पुनः बहाल करने के लिए संयुक्त संघर्ष का संकल्प लिया।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत

सायला के मोकणी गांव के पास हादसा हुआ, मुआवजे की मांग को लेकर परिजन धरने पर बैठे

- प्रशासन ने मौके पर समझाइश की

सायला, (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के मोकणी फांटा के पास स्टेट हाइवे पर शनिवार की शाम को एक सड़क हादसे में बाइक सवार पिता व पुत्र की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार सायला निवासी प्रकाश कुमार (45) पुत्र मोहनलाल दवे और उसका पुत्र महावीर (9) बाइक पर सवार होकर मोकणी स्थित वांकल माता मंदिर में पूजा-पाठ कर घर जा रहे थे। इसी दौरान जीवाणा-सायला रोड पर पीछे से तेज रफ्तार से आ रही एक पिकअप ट्रोला ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार प्रकाश और उसके पुत्र महावीर की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव को सायला अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया और वाहन को अपने कब्जे में लिया। दूसरे दिन रविवार को परिजनों ने दोनों के शव का पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया और सायला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने धरने पर बैठ गए।

परिजनों ने बताया कि प्रकाश का परिवार गरीब है। प्रकाश मंदिरों में पूजा-पाठ कर घर चलाता था, लेकिन मौत के बाद परिवार का गुजारा चलाना मुश्किल है। जिससे उसकी पत्नी को आंगनबाड़ी केंद्र में नौकरी और एक बेटे को नगर पालिका में नौकरी देने और उचित मुआवजा दिलाने के साथ ही पिकअप चालक पर कठोर कार्रवाई की मांग की। सूचना पर उपखंड अधिकारी सुरजभान विश्नोई तथा थानाधिकारी सुरेंद्रसिंह चौधरी ने मौके पर पहुंचकर उचित कार्यवाही तथा पीड़ित परिवार को उचित सहायता दिलाने की बात कही, लेकिन परिजनों ने मुख्त सचेतक जोगेश्वर गर्ग से मिलकर वार्ता करने की मांग की। दोपहर डेढ़ बजे मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग धरना स्थल पहुंचे एवं समाजबंधुओं की मांगों को सुनकर नियमानुसार सहायता दिलाने तथा सहयोग करने की बात कही। इसके बाद परिजन तथा समाजबंधु पोस्टमार्टम के लिए सहमत हुए। पुलिस ने मृतक के चाचा की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

मृतक प्रकाश कुमार के छह पुत्र एवं एक पुत्री है, जिसमें से एक पुत्र महावीर की इसी सड़क हादसे में मझौत हो गई। वहीं परिवार में कमाने वाला सिर्फ प्रकाश ही था। रहने के लिए खुद का आशियाना तक नहीं है और परिवार किसी समाजबंधु के घर में निवास कर रहा है। प्रकाश मोकणी स्थित देवासी समाज के वांकल माता मंदिर में पूजा कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था।

गढ़ेपान में बेहोश हुए स्कूली बच्चों से मिले ऊर्जा मंत्री नागर, स्वास्थ्य की जानकारी ली

कोटा, (निसं)। जिले के सीमलिया थाना इलाके के गढ़ेपान फैक्ट्री नजदीक स्कूल और आसपास के लोगों के अचानक तबीयत बिगड़ने की शिकायत आई थी। इनमें से कुछ बेहोश भी हो गए थे। इनमें से अधिकांश को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है लेकिन कुछ को ऑब्जरवेशन के लिए कोटा के अस्पताल में भर्ती किया गया है। इनमें अधिकांश सरकारी स्कूल के बच्चे हैं। इस पूरे मामले में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने फैक्ट्री के खिलाफ जांच के बाद कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

दूसरी तरफ इस मामले में फैक्ट्री के प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों के खिलाफ अमोनिया गैस का रिसाव का आरोप लगा है। साथ ही जनजीवन को खतरे में डालने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह मुकदमा पांचड़ा की झोपड़ियां निवासी खेमचंद ने दर्ज करवाया है। इसमें बताया है कि उसकी मां भूली बाई फैक्ट्री के नजदीक से गुजर रही थी। इस दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। खेमचंद ने अमोनिया गैस के रिसाव का आरोप लगाते हुए गढ़ेपान फैक्ट्री के लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस उपअधीक्षक राजेश ढाका ने बताया कि मामले में शिकायत के आधार पर सीएफसीएल के प्लांट हेड अजय ताहिल, अमोनिया प्लांट के जीएम कपिल मित्तल, यूरिया प्लांट के जीएम विपुल माथुर, अमोनिया गैस प्लांट इंचार्ज यू.के. गौतम और सीएफसीएल के एचआर विशाल माथुर एवं शिफ्ट इंचार्ज के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अभी मामले का अनुसंधान किया जाएगा और उसके बाद कोई लापरवाही सामने आती है तो गिरफ्तारी की जाएगी।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने गढ़ेपान के लोगों से मुलाकात की।

- लापरवाही जिस भी स्तर पर हुई है, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : ऊर्जा मंत्री नागर
- गढ़ेपान सीएफसीएल फैक्ट्री प्रबंधकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ
- शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का कहना है कि गढ़ेपान के सरकारी विद्यालय में निकटवर्ती फैक्ट्री से अमोनिया गैस रिसाव होने के मामले में चिंता की कोई बात नहीं है

वहीं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर रविवार को गढ़ेपान में बेहोश हुए स्कूली बच्चों से मिले। उन्होंने परिवार से मिलकर स्वास्थ्य की जानकारी ली। इसके बाद नागर ने ग्रामीणों से भी चर्चा की। वहीं सीएफसीएल पहुंचकर फैक्टरी प्रबन्धन से भी बात की है। सीएमएचओ को बुलाकर भी पीड़ित बच्चों को हर संभव मेडिकल ट्रीटमेंट देने के निर्देश दिए। इस दौरान ऊर्जा मंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है, किसी न किसी स्तर पर लापरवाही हुई है। प्रथमदृष्टया गैस लीकेज की ही संभावना है। लापरवाही जिस भी स्तर पर हुई है, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। घटना को लेकर जिला कलेक्टर ने जांच कमेटी बनाई है। हमें जांच रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए। यदि इसके बाद में जरूर हुई तो उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर जांच करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों से बात करने पर उन्होंने बताया है कि पहले भी कई बार गांव के खेतों में फसलें जलने की शिकायतें सामने आ चुकी हैं। अब इसको लेकर कोई पुख्ता नीति बनाकर यह सुनिश्चित किया जाएगा की घटना की किसी भी हालत में पुनरावृत्ति ना हो। इसको लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। यह सुखद है कि मामले में कोई जनहानि नहीं हुई और ईश्वर की कृपा से सभी बच्चे सुरक्षित हैं। मंत्री नागर ने कहा कि प्रबंधन से मिलकर पॉल्यूशन मैनेज करने की व्यवस्था के बारे में चर्चा की है। वहीं फसलों को बचाने के लिए विशेष पैकेज जारी हो इसके बारे में भी प्रबंधन को कहा गया है। केमिकल इफेक्ट से प्रभावित फसलों का इंश्योरेंस कर इसका प्रीमियम फैक्ट्री प्रबंधन भरे इसके लिए प्रयास करेंगे।

पूरे मामले में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का कहना है कि गढ़ेपान के सरकारी विद्यालय में निकटवर्ती फैक्ट्री से अमोनिया गैस रिसाव होने के मामले में चिंता की कोई बात नहीं है। इसमें 16 बच्चे गैस से प्रभावित हुए थे जिन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इनमें से अधिकांश को छुट्टी दे दी गई है केवल 9 बच्चे जिनमें 8 लड़कियां व एक लड़का कोटा के सरकारी अस्पताल में भर्ती है। गैस के प्रभाव में आने वाले व्यक्ति को 48 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखा जाता है इसलिए बच्चों को वहां रखा गया है। शिक्षा विभाग पूरी तरह से पीड़ित बच्चों के अभिभावकों के साथ है और हर संभव मदद पहुंचाई जा रही है।

पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की क्षेत्रीय अधिकारी योग्यता सिंह का कहना है कि वह 48 घंटे की मॉनिटरिंग पूरे एरिया की कर रही है। नियमों के मुताबिक मापदंडों के अनुसार जांच की जा रही है।

सीएफसीएल द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया जा रहा है कि इस घटना की सम्बंधित अधिकारियों से सघन जांच करवा कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। चंबल फर्टिलाइजर्स का कारखाना उच्चतम सुरक्षा और पर्यावरणीय अनुपालन मानकों से संचालित होता है। यह संयंत्र अत्याधुनिक ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम और संकेतकों से सुसज्जित है जो परिसर में किसी भी गैस रिसाव का तुरंत पता लगाते हैं। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के रूप में, चंबल फर्टिलाइजर्स सभी विद्यार्थियों के स्वास्थ की देखभाल में पूर्ण सहयोग कर रहा है।

यात्री का छूटा मोबाइल रेल कर्मी ने सुपुर्द किया

कोटा, (निसं)। मंडल में तैनात रेल कर्मचारी अपनी ड्यूटी के साथ कई बार आमजन के हित में प्रशंसनीय सामाजिक सराहनीय कार्य करते है। जिसकी आमजनमानस द्वारा सराहना की जाती है एवं रेलकर्मचारियों को परोपकारी और ईमानदारी पूर्ण कार्य करने के लिए बल मिलता है।

इसी क्रम में शनिवार आगरा से कोटा लौटकर आते समय प्लेटफार्म पर एक यात्री ऋतिक सोनी का मोबाईल कहीं गिर गया था। जिसे एक अन्य यात्री द्वारा प्रधान टिकट संग्राहक कार्यालय कोटा में इस मोबाइल को जमा कराया गया। ड्यूटी पर तैनात उप मुख्य टिकट निरीक्षक दीपक शर्मा द्वारा मोबाईल में संरक्षित नंबरों के आधार पर यात्री से सम्पर्क किया और कार्यालय में बुलाकर उचित प्रक्रिया के साथ मोबाईल सौप दिया गया। यात्री अपना मोबाइल फोन वापस पाकर प्रसन्न हुआ। यात्री ने इस ईमानदारीपूर्ण सराहनीय कार्य के लिए रेल कर्मचारी एवं कोटा रेल प्रशासन का आभार व्यक्त किया।